हिंदी विभाग द्वारा अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के अवसर पर व्याख्यान का आयोजन

प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी हिंदी विभाग, श्यामलाल कॉलेज द्वारा अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के अवसर पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस उपलक्ष्य में 21 फरवरी, 2023 को हिंदी विभाग द्वारा एक दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसके तहत एक संगोष्ठी और विद्यार्थियों के लिए प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रसिद्ध आलोचक और दिल्ली विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष और दिल्ली विश्वविद्यालय के पूर्व समकुलपति प्रो. सुधीश पचौरी 'भाषा की राजनीति और राजनीति की भाषा' विषय पर आयोजित संगोष्ठी के मुख्य वक्ता थे।

सबसे पहले विभागाध्यक्ष डॉ सुजाता तेवतिया ने पुष्प गुच्छ देकर प्रो. सुधीश पचौरी का स्वागत किया और विभाग में पधारने के लिए उनका धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि प्रो. सुधीश पचौरी ने अपने अध्यापन और लेखन से एक पीढ़ी का निर्माण किया है और उन्होंने हिंदी साहित्य आलोचना को टेक्स्ट के विश्लेषण के नए टूल्स दिए हैं।

अपने वक्तव्य में प्रोफेसर सुधीश पचौरी ने भाषा के महत्व, भाषा की राजनीति, हिंदी और गैर हिंदी क्षेत्रों के बीच भाषाई प्रतिद्वंद्विता, अंग्रेजी बनाम हिंदी की बहस, हिंदी की बढ़ती ताकत, बाजार और मीडिया में हिंदी की बढ़ती धमक जैसे कई मसलों पर बेहद बेबाकी से अपने विचार रखे, जो ज्ञानवर्धक होने के साथ–साथ काफी दिलचस्प भी थे।

अंत मे डॉ राजकुमार प्रसाद ने विभाग की तरफ से धन्यवाद ज्ञापन किया। इस व्याख्यान में 80 से ज्यादा विद्यार्थियों और शिक्षकों ने भागीदारी की।

हिंदी विभाग एवं राष्ट्रीय सेवा योजना
श्याम लाल कॉलेज
के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित
अन्तरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस
व्याख्यान-भाषा की राजनीति, राजनीति की भाषा